

## "कम्प्यूटर-सहायता प्राप्त डिजाइन" पर एक महीने के प्रशिक्षण का उद्घाटन समारोह

17 सितंबर, 2024, कोलकाता:

आईसीएआर- राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता 17 सितंबर से 15 अक्टूबर 2024 तक 'कम्प्यूटर एडेड डिजाइन' पर चार सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीआरएसएम कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, मुंगेली, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) के बी.टेक (कृषि अभियांत्रिकी) के कुल 16 छात्र (10 लड़के और 6 लड़कियां) भाग ले रहे हैं। इस कार्यक्रम में 'कम्प्यूटर एडेड डिजाइन' पर एक प्रशिक्षण पुस्तिका भी जारी की गई।

आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता के निदेशक डॉ. डी.बी. शाक्यवार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया और छात्रों को मशीन डिजाइन प्रणालियों में 'कंप्यूटर इंजीनियरिंग सहायता प्राप्त डिजाइन' के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को यह भी बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों में वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करने और उन्हें विभिन्न सार्वजनिक और निजी संगठनों में बेहतर अवसर के लिए तकनीकी रूप से कुशल बनाने में मदद करेगा।

सीएंडबीपी डिवीजन के प्रमुख और एचआरडी सेल के नोडल अधिकारी डॉ. डी.पी. रे ने कृषि मशीनरी निर्माण के साथ-साथ खाद्य उद्योग से संबंधित कृषि के क्षेत्र में कंप्यूटर-सहायता प्राप्त डिजाइन के महत्व के बारे में बात की।

डॉ. वी.बी. शंभू, प्रधान वैज्ञानिक और प्रभारी अनुसंधान एवं विकास इकाई ने कृषि इंजीनियरिंग में विभिन्न डिजाइन सॉफ्टवेयर की व्यावहारिक उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों से सीएडी सॉफ्टवेयर के इंजीनियरिंग अनुप्रयोग की बेहतर समझ के लिए अपने भविष्य के शोध गतिविधियों में प्रशिक्षण कार्यक्रम के व्यावहारिक ज्ञान को लागू करने का भी आग्रह किया।

(स्रोत: आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

## **Inaugural Function of a One-month Training on “Computer-Aided Design”**

September 17, 2024, Kolkata:

ICAR- National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata is organizing a four-week training programme on ‘Computer Aided Design’ from 17th September to 15th October 2024. A total of 16 students (10 boys & 6 girls) of B.Tech (Agril. Engg.) from BRSM College of Agricultural Engineering and Technology & Research Station, Mungeli, Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Raipur (C.G.) are participating in this training programme. A training manual on ‘Computer Aided Design’ was also released in this programme.

Dr. D. B. Shakyawar, Director ICAR-NINFET, Kolkata, inaugurated the training programme and informed the students about the importance of ‘computer engineering aided design’ in machine design systems. He also informed the students that the training programme would help the student to develop a scientific temperament and make them technically efficient for better opportunity in various public and private organization.

Dr. D. P. Ray, Head C&BP Division and Nodal Officer HRD Cell talked about the importance of computer-aided design in the field of agriculture related to farm machinery manufacturing as well as food industry.

Dr. V. B. Shambhu, Pr. Scientist and In-charge R&D Unit, highlighted the practical utility of various design software in Agricultural Engineering. He also urged the student to implement the practical knowledge of the training programme in their future research activities for a better understating of engineering application of the CAD software.

*(Source: ICAR- National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)*

**कार्यक्रम की झलकियां/ Glimpses of the event:**

